इस्लाम में रोल मॉडल (2 का भाग 2)

रेटिंग:

विवरण: ?????? ??????? ?? ?? ???????? ???????? ?? ???? ?? ?????? ?? ????????? ????? ?? ??? ???? ?? ?? ????? ?? ???? ??? ??? ????? ?? ?????? ?? ???????? ???? ????

श्रेणी: पाठ › बढ़ती आस्था › आस्था बढ़ाने के साधन

द्वारा: Aisha Stacey (© 2012 NewMuslims.com)

प्रकाशित हुआ: 08 Nov 2022

अंतिम बार संशोधित: 07 Nov 2022

उद्देश्य:

- यह समझना कि वयस्क कितने प्रभावशाली हो सकते हैं और रोल मॉडल का व्यवहार इस्लामी नैतिकता और शिष्टाचार के अनुरूप क्यों होना चाहिए।

अरबी शब्द:

- *?????* - "सहाबी" का बहुवचन, जिसका अर्थ है पैगंबर के साथी। एक सहाबी, जैसा कि आज आमतौर पर इस शब्द का प्रयोग किया जाता है, वह है जिसने पैगंबर मुहम्मद को देखा, उन पर विश्वास किया और एक मुसलमान के रूप में मर गया।

- *????* - यह एक जानकारी या कहानी का एक टुकड़ा है। इस्लाम में यह पैगंबर मुहम्मद और उनके साथियों के कथनों और कार्यों का एक वर्णनात्मक रिकॉर्ड है।

- *??-??????* - क़ुरआन का शुरुआती अध्याय। शाब्दिक रूप से - शुरुआती।

क्योंकि मनुष्य दूसरों के व्यवहार की नकल करके बहुत कुछ सीखता है, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि वे अच्छे रोल मॉडल को चुनें या उन के बारे मे जाने। एक ऐसे समाज में जो अक्सर इस्लामी नैतिकता और शिष्टाचार का उपहास करती है, यह आवश्यक है कि मुसलमानों के पास प्रशंसा करने और अनुकरण करने के लिए रोल मॉडल हों। इसके लिए सहाबा से बेहतर कोई व्यक्ति नहीं है, वे पुरुष, महिलाएं और बच्चे जो पैगंबर मुहम्मद के करीबी थे और उन्हें इस्लाम की शिक्षा जैसे प्रकट हुई थी वैसे ही दी गई थी। पिछले पाठ में हमने दो पुरुष सहाबी के बारे मे संक्षिप्त मे जाना था और अब हम पैगंबर मुहम्मद की दो सबसे प्रभावशाली पत्नियों के बारे मे जानेंगे।

खुवाय्लिद की बेटी ख़दीजा

ख़दीजा पैगंबर मुहम्मद की पहली पत्नी थी जो 25 साल तक इकलौती पत्नी रहीं। वह 40 वर्ष की थी और दो बार विधवा हो चुकी थी जब उन्होंने पैगंबर मुहम्मद (जो उस समय 25 वर्ष के थे) से विवाह किया, उस समय पैगंबर मुहम्मद को पैगंबरी नही मिली थी। खदीजा एक कुशल व्यवसायी और धनी थी, जो विकलांगों, अनाथों, विधवाओं और गरीबों के साथ दया और करुणा के साथ व्यवहार करने के लिए जानी जाती थी; उन्हें "अत-ताहिरा" कहा जाता था, जिसका अर्थ है शुद्ध। खदीजा ने इस्लाम के पहले कठिन वर्षों के दौरान पैगंबर मुहम्मद से प्यार किया और उनका समर्थन किया था। उन्होंने ऐसा साझेदारी और साहचर्य की भावना से किया जो वास्तव में इस्लामी विवाह में निहित है।

खदीजा इस्लाम के संदेश को स्वीकार करने वाली पहली महिला थी और वह अपने पति के साथ खड़ी रही जब परिवार और दोस्त पैगंबर के खिलाफ हो गए थे और उन्हें मारने की साजिश रची गई थी। खदीजा ने अपने धन और स्वास्थ्य से इस्लाम के उदय मे सहयोग किया। उन्होंने निर्वासित और बहिष्कृत समुदाय के लिए भोजन, पानी और दवाएं उपलब्ध कराईं। भले ही वह गरीबी की आदी नहीं थी, लेकिन खदीजा ने कभी भी उन खराब परिस्थितियों के बारे में शिकायत नहीं की जो उन्हें सहने के लिए मजबूर किया गया था। खदीजा के निधन के बाद (मक्का से मदीना में मुसलमानों के प्रवास से तीन साल पहले), पैगंबर मुहम्मद ने कहा कि वह एक प्यार करने वाली मां, एक वफादार और सहानुभूति रखने वाली पत्नी थीं, जो उनके सभी गहरे रहस्यों और सपनों की साझी थीं।

अबू बक्र की बेटी आयशा

आयशा पैगंबर मुहम्मद के सबसे करीबी साथियों में से एक अबू बक्र की बेटी थी। पैगंबर मुहम्मद से उनकी शादी के दौरान, उन दोनों ने एक करीबी रिश्ता बनाया था और यह आयशा ही थीं जिनकी बाहों में पैगंबर मुहम्मद की मृत्यु 632 सीई में हुई थी। कई लोग आयशा को पैगंबर की पसंदीदा पत्नी मानते थे, वह कई घटनाओं में एक सक्रिय थीं और कई अन्य लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण गवाह थीं।

आयशा उदार और धैर्यवान थी। वह बिना किसी शिकायत के उस गरीबी और भूख को झेलती थी जो इस्लाम के शुरुआती दिनों में आम थी। कई दिनों तक पैगंबर के घर में खाना पकाने या रोटी पकाने के लिए कोई आग नहीं जलाई जाती थी और वे केवल खजूर खाते और पानी पीते थे। गरीबी से आयशा परेशान या अपमानित नही हुई और जब वह आत्मनिर्भर हुई तो आत्मनिर्भरता ने उनके सुशील व्यवहार को भ्रष्ट नहीं किया।

आयशा अपनी बुद्धमित्ता और जज्ञिासा के लिए भी जानी जाती थी। वह हमेशा सवाल पूछती थी और छोटी-छोटी बातों को भी स्पष्ट करती थी; इसकी वजह से वो ज्ञान का एक अमूल्य संसाधन बन गई थी। 2,000 से अधिक हदीसें उनसे संबंधित है। उनके विशाल ज्ञान के कारण, लोग कोई आदेश देने या निर्णय लेने से पहले अक्सर उनसे सलाह लेते थे। वह पैगंबर की मृत्यु के बाद लंबे समय तक जीवित रहीं और उन्होंने अपनी मृत्यु से पहले कई वर्षों तक मुसलमानों को उनका धर्म सिखाया।

जैसा कि हमने पाठ 1 में चर्चा की थी, कई लोग विशेष रूप से बच्चे महत्वपूर्ण या प्रसिद्ध लोगों के व्यवहार की नकल करके सीखते हैं। याद करने की कोशिश करें कि पिछली बार आपने बच्चों को खेलते हुए कब देखा था; उनमें से कई स्पोर्ट्स स्टार या संगीत सनसनी बनना चाहते हैं। दुख की बात है कि कई बच्चे जब वयस्क हो जाते हैं तो वो आपको मीडिया के सितारों के बारे में सब कुछ बता सकते हैं लेकिन पैगंबर मुहम्मद के साथियों के बारे में एक भी तथ्य नहीं बता सकते। वे खेल के आंकड़ों को सही से बता सकते हैं लेकिन अल-फ़ातिहा के पाठ को सही से पढ़ नहीं सकते। पुनरुत्थान के दिन, मनोरंजन जगत के ये लोग उन सभी को नज़रअंदाज़ कर देंगे जिन्होंने आज उन्हें रोल मॉडल बना लिया है। दिलचस्प बात यह है कि रीबॉक के एक विज्ञापन के अंत मे, एक बास्केटबॉल खिलाडी कैमरे के पास जाता है और कहता है, "सिर्फ इसलिए कि मैं एक गेंद को बास्केट मे डालता हूं इसका मतलब यह नहीं है कि मुझे आपके बच्चों की परवरिश करनी है।" यहां तक कि खुद सितारे भी महसूस करते हैं कि वे हमेशा ऐसा व्यवहार नहीं दिखाते जिसे दूसरों द्वारा अनुकरण किया जाना चाहिए।

रोल मॉडल न केवल सर्वश्रेष्ठ व्यवहार दिखाते हैं, बल्कि वे यह भी दिखाते हैं कि गलतियों और असफलताओं से कैसे सीखना है। विशेष रूप से सहाबा अक्सर कठिन परिस्थितियों मे रहे और सीखते रहे। कई मामलों में यह स्वयं पैगंबर मुहम्मद थे जिन्होंने उनके व्यवहार को ठीक किया, और उन्होंने इसे ऐसे ठीक किया जिससे अपराधी को अपमानित या परेशान न होना पड़े। अच्छे रोल मॉडल, जैसे सहाबा थे, अपने व्यवहार से सिखाते हैं; वे उन्हें सिखाते हैं जो उनसे सीखना चाहते हैं कि वे कैसे अल्लाह को खुश करते थे। उनसे हम सीखते हैं कि मनुष्य पूर्ण नहीं हैं, लेकिन अपने हर काम में और बाहरी प्रभावों की हर प्रतिक्रिया में अल्लाह को खुश करने की कोशिश कर सकता है।

इस लेख का वेब पता

https://www.newmuslims.com/hi/articles/146

कॉपीराइट © 2011 - 2024 NewMuslims.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।